वन माफियाओं के आगे वन विकास निगम की बेबसी

खास बातें

- उजड़ते जंगल, सैकड़ों बीघा में अवैध खेती
- ग्यारसपुर वन परिक्षेत्र मे खुलेआम हो रहा पर्यावरण का विनाश, जिम्मेदार मौन

नवभारत न्यूज

विदिशा 31 दिसम्बर, ग्यारसपुर वन परिक्षेत्र के वन विकास निगम के अंतर्गत आने वाले ग्राम सतपाड़ा कला, पिपरिया जमीदार, पैरवासा एवं रिछाई क्षेत्र में वन विकास निगम के जिम्मेदार अधिकारियों कर्मचारियों की बेरूखी से जंगलों का बड़े पैमाने पर खत्म किया जा रहा है. आरोप है कि सैकड़ों बीघा वन भूमि पर कीमती पेड़ों की अवैध कटाई कर उसे उपजाऊ भूमि में बदल दिया गया है और वहां खुलेआम खेती की जा रही है.

स्थानीय लोगों प्राप्त जानकारी के अनुसार वन विकास निगम के कंपाउंड नंबर 133, 134, 135 एवं 137 में सागौन, महुआ, सांज, धौ सहित अन्य बहुमूल्य वृक्षों को काटा जा रहा है. जंगलों की अंधाधुंध कटाई से न केवल हरियाली खत्म हो रही है, बल्कि क्षेत्र का पर्यावरणीय संतुलन भी गंभीर रूप से बिगड़ता जा रहा है.

खेत एवं वन मजदूर यूनियन, मध्य प्रदेश के अध्यक्ष कैलाश नारायण कुशवाहा ने आरोप लगाया कि जिन कंधों पर जंगलों की सुरक्षा और संरक्षण की जिम्मेदारी है, वही अधिकारी कर्मचारी वन माफियाओं के आगे नतमस्त को चले हैं. कई स्थानों पर जंगल को पूरी तरह उजाड़ कर खेती शुरू कर दी गई है, जो वन कानूनों का खुला उल्लंघन है. बताया गया कि कुछ समय पहले नवभारत समाचार पत्र ने इस मामले को प्रमुखता से प्रकाशित किया था जिसके बाद वन विकास निगम के अधिकारी जांच करने के लिए पहुंचे थे. कुछ लोगों को जमीन से बेदखल भी किया गया था.

कीमती सागौन की लकड़ी से बन रहे ईंटों के भट्टे

स्थिति यह है कि जंगल से काटी गई इमरती लकड़ी ट्रैक्टर- ट्रॉली से ढोकर ईंट भट्टों में जलाने तक का काम किया जा रहा है. स्थानीय लोगों का कहना है कि अवैध कटाई की सूचना कई बार वन विभाग को दी गई, यहां तक कि डिप्टी रेंजर महेंद्र गौर को फोन पर अवगत कराया गया, लेकिन केवल आश्वासन मिला, मौके पर कोई अधिकारी नहीं पहुंचा और न ही कोई ठोस कार्रवाई हुई. वन माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे दिनदहाड़े जंगल काटकर निजी उपयोग और ईंटों के व्यापार में लकड़ी खपा रहे हैं. यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगी, तो आने वाले वर्षों में इस इलाके से जंगल पूरी तरह से खत्म हो जाएगा. क्षेत्रवासियों और पर्यावरण प्रेमियों ने उच्च स्तरीय जांच, दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई और उजड़े जंगलों के पुन: संरक्षण की मांग की है. जंगल बचेगा तभी पर्यावरण बचेगा वरना आने वाली पीढ़ियां इस लापरवाही की भारी कीमत चुकाएंगी. इस संबंध में जब वन विकास निगम के रेंजर दिनेश सिंह परिहार से बात की गई तो उन्होंने बताया है कि आपके माध्यम से संज्ञान में मामला आया है, मैं इसकी जांच करता हूं, जांच कर नियम के अनुसार कार्रवाई की जाएगी.

जीजा ने साले के साथ किया गलत काम

शर्मिंदा साले ने खाया जहर,जीजा से बदला लेने की ठानी

नवभारत न्यूज

विदिशा 31 दिसम्बर, सरकारी अस्पताल में बुधवार की दोपहर एक युवक को गंभीर हालत में भर्ती करया गया. युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया और वह इलाज कराने के लिए भी तैयार नहीं था. अस्पताल का स्टाफ उसके इलाज के लिए काफी जद्दोजहद करता नजर आया.

आखिरकार युवक ने जहर क्यों खाया यह जानने के लिए डाक्टर और नर्स भी परेशान होते रहे. लेकिन वह किसी को कुछ बताने के लिए तैयार नहीं था. जब युवक को तसल्ली दी की किसी ने कुछ गलत किया तो पुलिस युवक की मदद करने तैयार है. जिसके बाद युवक ने अपनी पीड़ा जाहिर करते हुए बताया कि उसके जीजा ने उसके साथ गलत काम किया था जिसके चलते वह शर्मिंदा है और अब जीने की इच्छा नहीं है. इसलिए वह जहर खाकर जान देना चाहता है.युवक को भर्ती कराने आए पिता का कहना था कि बेटे के साथ कुछ गलत हुआ है जिसके चलते उसने जहर खा लिया है. युवक ने आरोप लगाए कि करीब दो माह पहले अपने जीजा के साथ बैठकर शराब पी रहा था. इसी दौरान जीजा और साले में बहस होने के साथ मारपीट भी हो गई. उसके बाद जीजा ने उसके साथ गलत काम को अंजाम दिया. तब से ही युवक आत्मगिलानी हो रही थी. जिसके चलते युवक ने शराब पीना शुरू कर दिया. युवक ने बताया कि वह अपने जीजा से बदला लेना चाहता है. या फिर अपनी जान दे देगा. यह पूरा मामला पुलिस तक नहीं पहंचा. जब युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया जिसके बाद उसकी तहरील पुलिस को दी गई. हालांकि पुलिस देर शाम तक युवक के बयान को दर्ज करने के लिए नहीं पहुंची थी. वहीं युवक के पिता का कहना है कि उसके बेटे और दामाद के बीच क्या हुआ यह हमे नहीं पता लेकिन बेटे ने जहरीला पदार्थ खा लिया जिसे इलाज के लिए भर्ती कराया गया है. बेटा अपना इलाज नहीं करा रहा है.

70 साल के बुजुर्ग ने दी जान

वहीं दूसरी तरफ बुधवार की दोपहर अस्पताल में एक 70 साल के बुजुर्ग को अस्पताल लाया गया जहां पर डाक्टरों ने जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया. बुजुर्ग को पुलिस डायल 112 अस्पताल लाई थी. अस्पताल से मिली जानकारी के मुताबिक बुजुर्ग को बेतवा नदी के चरणतीर्थ घाट पर नदी में डूबने से मौत हो गई . वहीं दूसरी तरफ डाक्टरों का अनुमान है कि बुजुर्ग ने कोई जहरीला पदार्थ भी खाया था जिसकी बदबू आ रही थी जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि बुजुर्ग ने आत्महत्या की कोशिश की होगी. मृतक के पास कोई भी ऐसे दस्तावेज नहीं मिले जिसके आधार पर उसकी शिनाख्ती हो सके. पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है. बुजुर्ग की शिनाख्ती के बाद ही जांच आगे बढ़ सकेगी. इस मामले की भी जानकारी अस्पताल से कोतवाली पुलिस को दे दी गई.

सतपाड़ा सराय से किया रेस्क्यू

नवभारत न्यूज

विदिशा, 31 दिसंबर का आखिरी रेस्क्यू आश्रम के अध्यक्ष डॉक्टर के महेश्वरी ,जीएस चौहान, घनश्याम डागा, दीपक माहेश्वरी के दिशा निर्देश पर किया गया. विदिशा अपना घरआश्रम में 1 जनवरी से 31 दिसंबर तक 79 रेस्क्यू किए गए. आश्रम में प्रभु जी की संख्या 135 है.आश्रम से पुनर्वास किया गईसंख्या 77 है.डॉक्टर मुस्तफा हुसैन एवं सतपाड़ा सराय के सरपंच एवं जनपद के मैसेज पर विदिशा अपना घर आश्रम की रेस्क्यू टीम आश्रम के प्रवक्ता सोहेल अहमद बबलू एवं सेवा साथी द्वारा की गई.इस साल का आखरी देश क्यों किया गया.

विदिशा बना अद्भुत सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शनों का साक्षी

नवभारत न्यूज

विदिशा, विदिशा आर्ट ऑफ लिविग परिवार के तत्वाधान में सोमनाथ ज्योतिर्लिंग का शास्त्रीय श्लोंको के मंगलाचरण से विधिवत रूद्राभिषेक आर्ट ऑफ लिविंग बैंगलौर के वरिष्ठ पुरोहित श्री दशरथ जी खाते एंव उनके सहयोगियों ने संपन्न किया.तत्पश्चात श्रीदशरथ खाते जी ने इन ज्योतिर्लिंगो की महिमा बताते हुए कहा कि सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भगवान चन्द्र देवता ने सतयुग में स्थापित किया था.सोमनाथ ज्योतिर्लिंग सबसे पुरातन है एंव यह शिवलिंग चारो युगों मे पूजित होने वाला एकमात्र ज्योतिर्लिंग है.उन्होंने इसके दैवीय चुम्बकीय गुणों को प्रदर्शित करके आमजनो को प्रत्यक्ष दिखाया जैसे ही इन शिवलिंग को समीप लाया गया तो वह अपने स्थान पर घुमने लगे.उपस्थित जन समुदाय ने चमत्कारिक ज्योतिर्लिंग का दर्शन कर आरती उतारी एंव भक्ति भाव से संकीर्तन से मंत्रमुग्ध होकर भगवान् शंकर का जयकार से पांडल गुंजाएमान हो गया.सैकडो की संख्या में विदिशा नगर के श्रध्दालु इस अद्भुत क्षण के साक्षी बने.विदिशा आर्ट ऑफ लिविग के प्रशिक्षक नितिन शर्मा एंव दीपेश यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया.उपरोक्त जानकारी आर्ट ऑफ लिविग के डीडीसी मेंबर नीरज चौरसिया ने दी.

चेक बाउंस मामले में पार्षद प्रतिनिधि के खिलाफ वारंट

नवभारत न्यूज

विदिशा , चेक बाउंस के एक मामले में अदालत के आदेशों की अवहेलना सामने आई है.पूर्व पार्षद एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पार्षद प्रतिनिधि जमुना कुशवाहा को 5 लाख रुपये के चेक बाउंस प्रकरण में दोषी ठहराते हुए न्यायालय ने एक वर्ष की सजा सुनाई थी. दोषसिद्धि के बाद आरोपी ने उच्च अदालत में अपील दायर की. सुनवाई के दौरान मजिस्ट्रेट न्यायालय की सहमति से दोनों पक्षों में राजीनामा हुआ, जिसमें आरोपी ने भुगतान का आश्वासन देते हुए 7 लाख 35 हजार रुपये का नया चेक जमानत स्वरूप प्रस्तुत किया.

तय समय पर भुगतान न होने और दूसरा चेक भी बाउंस होने पर मामला पुन: न्यायालय के संज्ञान में आया. न्यायालय ने इसे आदेशों का उल्लंघन मानते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त रुख अपनाया और गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया. कानूनी जानकारों के अनुसार, राजीनामे के बाद भी वादा खिलाफी होने पर न्यायिक कार्रवाई तय है. बताया गया है कि जमुना कुशवाहा के खिलाफ चेक बाउंस व वित्तीय लेन-देन से जुड़े अन्य प्रकरण भी न्यायालय में लंबित हैं. उल्लेखनीय है कि गिरफ्तारी वारंट के बावजूद आरोपी करीब 45 दिनों तक गांधी चौक पर धरना देता रहा, फिर भी न तो न्यायालय में पेश हुआ और न ही भुगतान किया.

चेक बाउंस मामले में पार्षद प्रतिनिधि पर जमानती वारंट की जानकारी

फोन पर हुई चर्चा में शिकायतकर्ता राजा राम रघुवंशी ने बताया कि करीब 12 वर्ष पूर्व ग्राम हिरनई के पास काफ गांव में 10 बीघा भूमि खरीदने के लिए उन्होंने पार्षद प्रतिनिधि जमुना कुशवाह को 5 लाख रुपये दिए थे. आरोप है कि संबंधित भूमि जमुना कुशवाहा ने अपने नाम से खरीद ली और बाद में उसका विक्रय भी कर दिया. रघुवंशी के अनुसार, राशि वापस न मिलने पर उन्होंने विदिशा न्यायालय में प्रकरण दायर किया, जिसमें वे जीत गए। इसके बाद जमुना कुशवाहा ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में अपील की, जहां से 7 लाख 35 हजार रुपये का भुगतान आदेशित हुआ.लोक अदालत में समझौते के तहत 1 लाख रुपये न्यायालय में जमा हुए तथा 6 लाख रुपये का चेक दिया गया. उन्होंने बताया कि दिया गया चेक बाउंस हो गया. इसके बाद दूसरा चेक भी बाउंस होने पर उन्होंने विदिशा न्यायालय में धारा 138 के तहत प्रकरण दर्ज कराया. रघुवंशी का कहना है कि उन्हें जानकारी मिली है कि मामले में जमानती वारंट जारी किया गया है.

14 हजार लिए थे उधार, आधा किलो चांदी रखी थी गिरवी वापस नहीं मिली

123 प्रकरणों की सुनवाई, 84 मामलों में बुजुर्गों को मिली राहत

बुजुर्गों का मामला सुनवाई के लिये पुलिस पंचायत में पहुंचा

नवभारत न्यूज

विदिशा, सीनियर सिटीजन के हितों की रक्षा लिए शुरू की गई पुलिस पंचायत बुधवार को भी लगी इस दौरान कई प्रकरणों की सुनवाई की गई. बैठक में सीनियर सिटीजन से संबंधित पारिवारिक एवं सामाजिक विवादों की सुनवाई की गई। वर्ष 2025 के दौरान पुलिस पंचायत के माध्यम से कुल 123 प्रकरणों की सुनवाई की गई, जिनमें से 84 प्रकरणों में बुजुर्गों को राहत प्रदान की गई. साथ ही 115 सीनियर सिटीजन को पुलिस पंचायत आइडेंटिटी कार्ड वितरित किए गए, जिससे उनकी पहचान, सुरक्षा एवं त्वरित सहायता सुनिश्चित की जा सके.

72 वर्षीय सीनियर सिटीजन द्वारा शिकायत की गई कि पत्नी व बच्चे के इलाज के दौरान चांदी के जेवर गिरवी रखे गए थे, किंतु 14,000 के एवज में आधा किलो से अधिक चांदी आज तक वापस नहीं की जा रही है. पंचायत द्वारा प्रकरण की सुनवाई करते हुए अनावेदक पक्ष को आगामी तिथि पर साक्ष्य सहित उपस्थित होने के निर्देश दिए गए. सीनियर सिटीजन ने शिकायत की कि उन्होंने अपने दोनों पुत्रों को 300-300 फीट के मकान दिए तथा बीच में स्वयं के लिए 300 फीट का मकान रखा, किंतु पुत्रों द्वारा सीढ़ी का रास्ता बंद कर दिया गया, राशन कार्ड अपने पास रख लिया गया एवं संपत्ति कर भी नहीं भरा जा रहा है. पंचायत द्वारा समझाइश दी गई कि पिता असंतुष्ट होने की स्थिति में नियमानुसार कार्रवाई कर सकते हैं. परामर्श के पश्चात पुत्रों द्वारा पिता को परेशान न करने, संपत्ति कर भरने एवं सीढ़ी से रास्ता खाली करने पर सहमति व्यक्त की गई.

एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस को बढ़ावा दे रही अवैध ई-फार्मेसियां

एआईओसीडी ने प्रधानमंत्री से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग

नवभारत न्यूज

विदिशा, ऑल इंडिया ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अवैध रूप से संचालित ई-फार्मेसियों के विरुद्ध तत्काल एवं कठोर कार्रवाई की मांग की है.चेतावनी दी है कि बिना वैध चिकित्सकीय पर्चे के एंटीबायोटिक्स की खुलेआम ऑनलाइन बिक्री एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस को तेजी से बढ़ा रही है, जो जनस्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा बन चुकी है.

प्रधानमंत्री के हालिया मन की बात संबोधन का उल्लेख करते हुए एआईओसीडी ने कहा कि आईसीएमआर की रिपोर्ट के आधार पर प्रधानमंत्री द्वारा व्यक्त की गई चिंताएँ एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातस्थिति की ओर संकेत करती हैं.जहाँ निमोनिया और मूत्र मार्ग संक्रमण जैसी बीमारियों में प्रयुक्त सामान्य एंटीबायोटिक्स भी अंधाधुंध उपयोग और स्व-चिकित्सा के कारण प्रभावहीन होती जा रही हैं.देशभर के 12.40 लाख से अधिक लाइसेंसधारी केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट्स का प्रतिनिधित्व करने वाली एआईओसीडी ने कहा कि अवैध ऑनलाइन फार्मेसियाँ ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट का खुला उल्लंघन करते हुए बिना अधिकृत चिकित्सकीय पर्चे के एंटीबायोटिक्स एवं अन्य प्रिस्क्रिप्शन दवाओं की आपूर्ति कर रही हैं.संगठन के अनुसार, कई प्लेटफॉर्म टेली-मेडिसिन दिशा निर्देशों का दुरुपयोग करते हुए सतही ऑनलाइन परामर्श के माध्यम से फर्जी एवं औपचारिक पर्चे जारी कर दवाओं की बिक्री कर रहे हैं. एआईओसीडी ने कहा कि इन अवैध गतिविधियों को विभिन्न नियामक एजेंसियों द्वारा बार-बार उजागर किया गया है और मीडिया में भी इन्हें प्रमुखता से प्रकाशित किया गया है. इसके बावजूद प्रवर्तन की स्थिति अत्यंत कमजोर बनी हुई है, जबकि माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से ई-फार्मेसियों को अवैध करार दिया है. संगठन ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो इससे उपचार विफलताओं में वृद्धि होगी, स्वास्थ्य प्रणाली पर भारी दबाव पड़ेगा और आम नागरिकों का जीवन खतरे में पड़ जाएगा.एआईओसीडी ने सरकार से मांग की कि सभी अवैध रूप से संचालित ई-फार्मेसियों को तत्काल बंद किया जाए, तथा एआईओसीडी के सहयोग से बिना वैध चिकित्सकीय पर्चे के ऑनलाइन प्रिस्क्रिप्शन दवाओं की बिक्री को प्रभावी रूप से रोका जाए.एआईओसीडी ने कहा कि वह सरकार की स्वस्थ भारत सुरक्षित भारत की परिकल्पना के साथ पूर्णत: खड़ा है और स्व-चिकित्सा के विरुद्ध जागरूकता तथा एंटीबायोटिक्स के तर्कसंगत एवं जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देता रहेगा.

सहायक पशु चिकित्सक श्री मोघे हुये सेवा निवृत्त

नवभारत न्यूज

कुरवाई,सहायक पशु चिकित्सक सुधारकर मोघे, के सेवानिवृत्त होने पर पशुऔषधालय भौंरासा में उनके सम्मान में विदाई कार्यक्रम आयोजित किया गया, आयोजन में मुख्य अतिथि विधायक हरिसिंह सप्रे ने कहा कि मूक पशुओं की सेवा ही सबसे बडा धर्म मानते हुए श्री मोघे ने अपने कार्यकाल में निष्ठा पूर्वक कर्तव्य का निर्वहन किया है.

उनकी सेवा भावना से नव पदस्थ चिकित्सकों को भी प्रेरणा लेते हुए उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए, तभी हम सब मूक पशुओं, गौवंष की सेवा का कर्तव्य निभा पायेंगें.आयोजन में पशु चिकित्सा विभाग के वर्तमान एवं सेवानिवृत्त पशु चिकित्सकों ने श्री मोघे को स्मृति चिन्ह एवं शाल श्रीफल भैंट कर सम्मानित किया गया.आयोजन में विधायक प्रतिनिधि सीताराम सैनी, गौसेवा समिति भौंरासा के अध्यक्ष अधिवक्ता ओमप्रकाष आर्य, वरिष्ठ पशुचिकित्सक डा. आर.एस. उपाध्याय, ने सम्बोधित करते हुए श्री मोघे के निष्कलंक सेवाकाल की सराहना की गई.

बहला फुसलाकर छोड़ आते हैं मां-बाप को वृद्ध आश्रम-ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी

नवभारत न्यूज

विदिशा, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय ए-33 मुखर्जी नगर स्थित सेवा केंद्र विदिशा द्वारा गौरवपूर्ण वृद्धा अवस्था एवं सम्मानित जीवन अखिल भारतीय अभियान के अंतर्गत शासकीय गर्ल्स कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित किया गया.नंदिनी दीदी द्वारा ब्रह्माकुमारी संस्था कि गतिविधियों के बारे में विद्यार्थियों को बताया.तत्पश्चात ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी द्वारा नैतिक मूल्यों के बारे में समझाया गया.

उन्होंने नैतिक मूल्य के महत्व के संबंध में व्याख्यान दिया तथा उनके महत्व को समझाया साथ ही सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय तथा समाज सेवा प्रभाग ब्रह्माकुमारीज के मध्य हुए एमओयू के अंतर्गत, एक राष्ट्रीय पहल प्रारम्भ की गई है विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने इस विषय कि गहनता को लेकर सभी शिक्षण संस्थान में लेटर जारी भी किया है जिसका उद्देश्य है: वरिष्ठ नागरिकों का सशक्तिकरण, पीढ़ियों के बीच सौहार्द एवं समाज को मजबूत करना, समाज में सम्मान, जो गरिमा एवं संवेदनशील के प्रति जागरूकता बढ़ाना.प्रत्येक व्यक्ति को अपने वृद्ध माता-पिता की सेवा करनी चाहिए.इसके बारे में विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया दीदी ने वर्तमान स्थिति को सभी के बीच जाहिर करते हुए कहा कि कुछ दिन पहले विदिशा जिले की ही घटना है जिसमें वृद्ध माता-पिता को बेटे और बहू के द्वारा घर से बाहर निकाल दिया गया सभी पेपर में प्रकाशित भी हुआ है.ऐसी घटनाएं हजारों है हमें कलयुग के श्रवण कुमार नहीं बनना है जो ऑटो में बिठाकर माता-पिता को सड़क पर छोड़ आएं, हमें वह श्रवण श्रवण कुमार बनना है जो अपने कंधे पर बिठाकर माता-पिता को सारी दुनिया की सैर करा दे.कहते हैं पत्थरों के शहरों में कच्चे मकान कौन रखता है, आजकल हवा के लिए रोशनदान कौन रखता है, बहला फुसलाकर छोड़ आते हैं मां-बाप को वृद्ध आश्रम में, क्योंकि आजकल घर में पुराना सामान कौन रखता है- हमारे बड़े बुजुर्ग कोई पुराना सामान नहीं है वह घर की रौनक है वह घर की नींव है वह है तो हम हैं.ब्रह्माकुमारी रुकमणी दीदी ने अपने व्याख्यान में बताया कि तनाव प्रबंधन हेतु कौन-कौन से मेडिटेशन करने चाहिए.साथ ही उन्होंने उन मेडिटेशन के बारे में विद्यार्थी को विस्तार से बताया. मेडिटेशन के अभाव में विद्यार्थियों में बढ़ता मानसिक तनाम, मानसिक बीमारी एवं आत्माहत्या आदि समस्थाएं हो रही है तथा विद्यार्थी लगातार अपने लक्ष्य को प्राप्त न करने के कारण विभिन्न प्रकार की मानसिक समस्याओं से जूझ रहे है. जिसका प्रेक्टिकल अनुभव कराते हुए सभी को दस मिनिट मेडिटेशन भी कराया.

बैठक — **जिला पंचायत में जनपद पंचायत लटेरी एवं कुरवाई के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक स्थिति आयी सामने**

वर्ष 2015 में हुये थे शुरू कार्य अभी तक नहीं हुये पूरे

नवभारत न्यूज

विदिशा 31 दिसम्बर, जिला पंचायत में जनपद पंचायत लटेरी एवं जनपद पंचायत कुरवाई के सहायक यंत्रियों एवं उपयंत्रियों की बैठक आयोजित की गई.बैठक में क्षेत्र में चल रहे सभी प्रकार के निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई.

समीक्षा के दौरान कई ऐसे कार्य सामने आए जो वर्ष 2015 से प्रारंभ हुए थे, किंतु आज तक पूर्ण नहीं हो पाए हैं. साथ ही 250 से अधिक कार्य ऐसे पाए गए जो पूर्ण हो चुके हैं, परंतु सीसी (पूर्णता प्रमाण पत्र) जारी नहीं होने के कारण पोर्टल पर अपूर्ण दिखाई दे रहे हैं.इसी प्रकार कई कार्यों में धारा 89 के अंतर्गत वसूली के प्रकरण लंबित होने से शेष राशि वापस नहीं हो पा रही है, जिससे पंचायतों के पास अनुपयोगी धनराशि पड़ी हुई है.सहायक यंत्रियों द्वारा बताया गया कि पंचायत भवनों एवं सामुदायिक भवनों के लिए आई राशि का आहरण मूल्यांकन के पश्चात करना है, किंतु उपयंत्रियों एवं सहायक यंत्रियों को इसकी जानकारी नहीं होने से सचिवों,सरपंचों द्वारा एडवांस राशि का दुरुपयोग उपयोग किया जा रहा है इस हेतु आवश्यक व्यवस्था वनाने हेतु समान्यसभा कि वैठक में प्रस्ताव पारित किया जायेगा.बैठक में सहायक यंत्रियों एवं उपयंत्रियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सामग्री का उपयोग मैटेरियल टेस्टिंग के उपरांत ही किया जाए तथा सैंपल प्रयोगशाला में दिए गए सैंपल से मैच होना चाहिए.ग्रेवल सड़कों में वाइब्रेटर रोलर एवं ग्रेडर का उपयोग अनिवार्य रूप से किया जाए, जिससे निर्धारित कंपैक्शन एवं कैम्बर प्राप्त हो सके.जनपद पंचायत कुरवाई की उपयंत्री बैठक में अनुपस्थित रहीं, जिस पर संबंधित को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए.इसके अतिरिक्त विभिन्न जनपदों से आए हितग्राहियों की समस्याओं को सुना गया एवं उनका मौके पर निराकरण किया गया. साथ ही सामाजिक न्याय विभाग के अंतर्गत दो हितग्राहियों को ट्राई साइकिल प्रदान की गई.जिला पंचायत विदिशा द्वारा इन निर्देशों से निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित की जाएगी.